

## सभी पूर्व विधायकों का होना चाहिए सम्मान : सीएम



**अनुगामिनी का.सं.**  
गंगटोक, 26 जुलाई । मुख्यमंत्री प्रेम तमांग (गोले) के मुख्य अतिथि में यहां मदन केंद्र में आज राज्य के पूर्व विधायक परिसंघ का 20वां स्थापना दिवस मनाया गया। पूर्व विधायकों के योगदान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने आज यहां डीपीएच में पूर्व विधायक परिसंघ के कार्यालय और गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि पूर्व विधायकों ने राज्य के विकास में अमूल्य योगदान दिया है। मदन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में पहली सिक्किम विधानसभा के 3 जीवित सदस्यों और दूसरी विधानसभा के 9 जीवित सदस्यों के साथ-साथ अन्य को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

सिक्किम के पहले निर्वाचित लोकसभा सांसद पहलमन सुब्बा, दूसरे लोकसभा सांसद नंदू थापा,

तीसरे लोकसभा सांसद दिलकुमारी भंडारी को मुख्य अतिथि सीएम गोले ने सम्मानित किया। पहले निर्वाचित राज्यसभा सांसद सोलोमन छिरिंग खराब स्वास्थ्य के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उनका सम्मान उनके बेटे को दिया गया था। पहली विधानसभा के 32 सदस्यों में से तीन जीवित सदस्यों, पूर्व विधायक मोहन गुरुंग, पूर्व मंत्री आरसी पौड्याल और पूर्व विधायक नर बहादुर खतियवा को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। इसी तरह दूसरी विधानसभा के 9 जीवित सदस्यों, पूर्व मंत्री व विधायक पीएल गुरुंग, सामतेन छिरिंग भूटिया, दादुल भूटिया, डी पिछो भूटिया, ए लेन्चा, मोहन प्रसाद शर्मा, केएन उब्रेती, डीबी ठयाल और सोनम छिरिंग भूटिया को सम्मानित किया गया।

आज के कार्यक्रम में दिवंगत मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की पत्नियों और पहली और दूसरी

विधानसभा के परिवार के सदस्यों को भी मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। आज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री प्रेमसिंह तमांग ने पूर्व विधायकों और सांसदों के सम्मान में इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए सरकार और संगठन को धन्यवाद दिया। कारगिठ विजय दिवस के अवसर पर आज मुख्यमंत्री गोले ने सभी को शुभकामनाएं दीं और युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि सिक्किम की सेवा करने वाले सभी पूर्व विधायकों का सम्मान करना चाहिए। इन सभी ने अपने कार्यकाल में राज्य और अपने समुदाय के लिए बहुमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा पूर्व सांसदों ने अपने कार्यकाल में प्रदेश के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने

की जरूरत है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि यह किसी पार्टी का कार्यक्रम नहीं था। हमने यह सोचकर कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया कि सभी पूर्व विधायक एसकेएम में शामिल हो जाएं। मुख्यमंत्री ने पार्टी से ऊपर उठकर सोचने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सिक्किम के लोगों के आशीर्वाद ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाया है, उन्होंने स्वीकार किया कि यह अस्थायी है। उन्होंने कहा कि मैं यहां अपने परिवार को आराम और सुविधा प्रदान करने के लिए नहीं आया हूँ। यह कुर्सी मुझे लोगों के विकास करने के लिए मिली है। मुख्यमंत्री तमांग ने कहा कि जब उन्होंने पूर्व विधायकों से मुलाकात की, तो उन्होंने उन्हें कभी भी अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया।

मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि पूर्व



विधायक कोष में हर साल 10 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे जिसका इस्तेमाल पूर्व विधायकों के लिए तब किया जा सकता है जब वे संकट में हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने संगठन के लिए स्थायी कार्यालय नहीं होने की समस्या को देखते हुए स्थायी कार्यालय व गेस्ट हाउस उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री गोले ने घोषणा की कि पूर्व विधायकों को भी चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री गोले ने यह भी ऐलान किया कि आने वाले दिनों में पूर्व विधायकों की पेंशन राशि बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री गोले ने यह भी घोषणा की कि अन्य राज्यों का दौरा करते समय पूर्व विधायकों के लिए सिक्किम हाउस में तीन दिनों के लिए मुफ्त ठहरने की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नर बहादुर भंडारी की पेंशन राशि की व्यवस्था उनके परिवार की इच्छा पर तादोंग में नर बहादुर भंडारी डिग्री कोर्स में पढ़ने वाले पात्र छात्रों के लिए छात्रवृत्ति व्यवस्था के लिए की जाएगी। मुख्यमंत्री गोले ने यह भी कहा कि उनके निधन के बाद से परिवार को वह पेंशन नहीं मिली है। सिक्किम के निर्माण के लिए उन्होंने सभी पूर्व विधायकों से सुझाव मांगा और उस पर अमल करने का वादा किया। उन्होंने सभी से व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए जातियों में नहीं बंटने, बल्कि सिक्किम के लोगों के लाभ के लिए एक होकर काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक परिसंघ के अध्यक्ष डीबी ठयाल ने भी संबोधित किया।

## राज्यपाल ने की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात



**अनुगामिनी का.सं.**  
गंगटोक, 26 जुलाई । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने भारत सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कई विकास बिंदुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन का भी जायजा लिया। राज्यपाल ने गृह मंत्री को भेंट स्वरूप गायत्री मंत्र लिखित थांका प्रदान किया।

साथ ही राज्यपाल महोदय ने कारगिठ विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की

रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारत माता के वीर सुपुत्रों को सत-सत नमन। हमारी सेना के अदम्य साहस और वीर बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। विदित हो कि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को कारगिठ विजय दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में युद्ध हुआ था और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत ने विजय प्राप्त की थी। कारगिठ विजय दिवस, युद्ध में शहीद हुए देश के शूरवीरों के सम्मान हेतु मनाया जाता है।

## एसडीएफ से जल्द दे दूंगा इस्तीफा : जीएम गुरुंग

**अनुगामिनी का.सं.**  
गंगटोक, 26 जुलाई । एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बीच पूर्व मंत्री और प्रमुख एसडीएफ नेता जीएम गुरुंग ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने अभी तक एसडीएफ से इस्तीफा नहीं दिया है। इससे पहले मीडिया में खबर आई थी कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया है और वे जल्द ही एसकेएम पार्टी में शामिल हो सकते हैं। जीएम गुरुंग ने कहा कि उन्होंने अभी तक एसडीएफ पार्टी से अपना इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने पुष्टि की कि उन्होंने अपना मन बना लिया है और पार्टी छोड़ने का फैसला किया है और बहुत जल्द ही उचित समय में वे अन्य समर्थकों के साथ एसकेएम पार्टी में शामिल होंगे।



ज्ञात हो कि इससे पहले जीएम गुरुंग ने एक साक्षात्कार में कहा था कि एसकेएम झूठ की किताब है। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग पार्टी का नेतृत्व करने से इन्कार करते हैं तो मैं अकेले एसडीएफ पार्टी का नेतृत्व करूंगा और एसकेएम के खिलाफ लड़ूंगा। इस बारे में पूछे जाने पर जीएम गुरुंग ने कहा कि मैंने जो कहा था मैं उससे सहमत हूँ। मैंने कहा है और मैं अपनी बात पर अडिग (शेष पृष्ठ ०३ पर)

## सिक्किम में फल-फूल रहा है डर व हिंसा का राज : डॉ. भूटिया

**अनुगामिनी का.सं.**  
गंगटोक, 26 जुलाई । सिक्किम की प्रमुख विपक्षी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी ने अपने युवा मोर्चा उपाध्यक्ष के साथ दरमदीन क्षेत्र में हुए वाक्ये को लेकर एसकेएम सरकार के शासनकाल में राज्य में डर, हिंसा एवं अराजकता का वातावरण के फलने-फूलने का आरोप लगाया है। एसडीएफ युवा मोर्चा उपाध्यक्ष डॉ. मिचुंग भूटिया ने एक विज्ञापित जारी कर बताया कि कल ही वह पश्चिम सिक्किम के अपने पार्टी के युवाओं से मुलाकात करने जोरथांग गया था। वहां के कार्यक्रम के बाद कुछ युवा सार्थियों ने उनसे दरमदीन क्षेत्र के युवाओं से भी मिलने का आग्रह किया। उनके आग्रह पर वे वहां गये और युवा सार्थियों से मुलाकात की। उसके बाद जब वह वहां से अपने होम स्टे में जा रहे थे, तभी रास्ते में एसकेएम के कुछ लोगों ने उन्हें रोक कर मारने-पीटने

की धमकी दी। वहां जमा भीड़ से बचकर जब डॉ. मिचुंग भूटिया होमस्टे पहुंचे तो होम स्टे के मालिक ने भी उनसे वहां से चले जाने को कहा। बाद में उन लोगों ने अपने पार्टी के एक कार्यकर्ता के घर में शरण ली। लेकिन वहां भी एसकेएम के लोग पहुंच गये और उन्हें धमकियां देने लगे। उसके बाद हमले की आशंका को देखते हुए भूटिया ने पुलिस से सम्पर्क किया जिसके बाद पुलिस की एक टीम वहां पहुंची और उनकी सहायता की।

डॉ. मिचुंग भूटिया ने कहा कि एसकेएम के ही एक युवा ने बताया कि उन लोगों को वहां नहीं ठहरने देने का आदेश पार्टी के ऊपर से आया है। हम तो केवल उस आदेश का पालन कर रहे हैं। उनके अनुसार एसकेएम के क्षेत्रीय विधायक तथा राजनीतिक सलाहकार ने फोन कर उन्हें एवं उनके लोगों को वहां न ठहरने देने का निर्देश दिया था। इस वाक्ये पर क्षोभ व्यक्त करते हुए



एसडीएफ युवा मोर्चा उपाध्यक्ष ने कहा कि हमने अपना राजनीतिक कार्यक्रम घर के अंदर किया था। यह हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है। वहीं एक डॉक्टर होने के नाते गरीब बीमार लोगों की सेवा करना भी मेरा धर्म है। वहां हमने न एसकेएम विरोधी कोई कार्य किया, न ही उनके खिलाफ कोई बयान ही दिया। ऐसे में सवाल उठता है कि वर्तमान राज्य सरकार के शासन में हम सिक्किमी कितने सुरक्षित हैं? कानून-व्यवस्था

कहां है? लोकतंत्र कहां है? उन्होंने कहा, लोकतंत्र में विपक्ष का होना अति आवश्यक है। ऐसे में सरकार एसडीएफ से इतना क्यों डर रही है? डॉ. भूटिया ने आगे कहा कि एसकेएम सरकार हमें जितना भगाने की कोशिश करे, लेकिन हम उतनी ही मजबूती से उभर रहे हैं। सरकार द्वारा समाज में डर एवं हिंसा का वातावरण तैयार कर राज करने के प्रयास में हम (शेष पृष्ठ ०३ पर)

## कालिम्पोंग के डुंग्रा निवासी चालक की लाभा में हत्या



**अनुगामिनी नि.सं.**  
कालिम्पोंग, 26 जुलाई । कालिम्पोंग के मोटर स्टैंड से सुबह 11 बजे यात्रियों को लेकर लाभा गए चालक की हत्या से कालिम्पोंग में सनसनी मच गई। कालिम्पोंग के डुंग्रा निवासी बिबो मिजार की लाभा में बेरहमी से हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि डुंग्रा निवासी स्वर्गीय हरि मिजार के बेटे

बिबो मिजार कल कालिम्पोंग से यात्रियों को लेकर लाभा गए थे। रात के लगभग 12 बजे उनकी हत्या कर दी गई। उनके परिवार के लोगों ने उन्हें कई बार फोन किया लेकिन उत्तर नहीं मिलने पर उन्हें कुछ आशंका हुई। इसे बाद उनके परिवार के सदस्य स्थानीय चालिकों को लेकर लाभा गए। वहां उनकी गाड़ी की फ्रंट सीट पर (शेष पृष्ठ ०३ पर)

## एक दिवसीय कानूनी साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

**अनुगामिनी का.सं.**  
गंगटोक, 26 जुलाई । केंद्रीय विधि व न्याय मंत्रालय के तत्वावधान में सिक्किम प्रदेश महिला आयोग के सहयोग से कुरुक्षेत्र स्वयं सहायता समूह द्वारा सोमवार को दक्षिण सिक्किम के यांग्यांग में लैंगिक मुद्दे पर एक दिवसीय कानूनी साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों से सम्बंधित विभिन्न कानूनों जैसे महिला धरलू हिंसा सुरक्षा कानून, यौन उत्पीड़न से बच्चों की सुरक्षा, तस्करी आदि के बारे में उपस्थित लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम में 20 स्वयं सहायता समूहों के अलावा यांग्यांग जुनियर हाई स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आशा कर्मियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित सिक्किम प्रदेश महिला आयोग की सदस्य श्रीमती टेन्जिला भूटिया ने समाज, राज्य एवं देश के समग्र विकास में सभी से सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित महिलाओं से न झिझकते हुए आगे आकर इस प्रकार की समस्याओं के बारे में बताते एवं उनके समाधान में महिला आयोग, वन स्टॉप सेन्टर, जिला बाल सुरक्षा कार्यालय तथा महिला एवं बाल सुरक्षा हेतु नियुक्त अधिकारियों से सहायता प्राप्त करने का आग्रह किया। वहीं उन्होंने राज्य सरकार द्वारा गृहिणियों के सशक्तिकरण हेतु शुरू की गयी 'आम्मा' योजना का भी जिक्र किया।



इस दौरान रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित वन स्टॉप सेन्टर की प्रशासक संगीता गुरुंग ने धरलू हिंसाओं के विभिन्न स्वरूपों पर प्रकाश डालते हुए उनके संगठन द्वारा इसके पीड़ितों को दी जाने वाली कानूनी, संरक्षण, चिकित्सा एवं परामर्श जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। वहीं एक अन्य रिसोर्स पर्सन दक्षिण सिक्किम की बाल सुरक्षा अधिकारी सुश्री रोशनिला गुरुंग ने पोस्को कानून के विभिन्न प्रावधानों के बारे में

जानकारी प्रदान करते हुए यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चों के बचाव एवं पुनर्वासन प्रणाली के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने इस प्रकार की घटनाओं से बच्चों की सुरक्षा में समाज एवं समुदाय की जिम्मेदारी पर जोर दिया। वहीं इसमें बच्चों एवं वयस्कों पर पड़ने वाले मानसिक प्रभावों पर भी चर्चा हुई। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर एवं वरिष्ठ पत्रकार निर्मल मंगर ने माहवारी के दौरान साफ-सफाई एवं (शेष पृष्ठ ०३ पर)

## विकास बस्नेत ने किया स्वाधीनता दिवस समारोह का उद्घाटन



**अनुगामिनी का.सं.**  
गंगटोक, 26 जुलाई । मुख्यमंत्री के प्रेस सचिव विकास बस्नेत ने आज रांगोंग यांग्यांग समष्टि के अंतर्गत कारोंगथांग में 76वें स्वाधीनता दिवस समारोह के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उनके साथ पंचायत अध्यक्ष रंजीता गुरुंग, सीएलसी अध्यक्ष तेंगल्या नामका, पंचायत सदस्य, सीएलसी नारी अध्यक्ष श्रीमती देनकिला भूटिया, सीएलसी महासचिव गोपाल तिमसिना, उपाध्यक्ष पादम गुरुंग, पूर्व चेयरमैन एसटी ग्यालछेन, जिला कृषक मोर्चा वीपी एलडी ढकाल एवं अन्य भी मौजूद रहे। इस दौरान समारोह आयोजन समिति द्वारा मुख्य अतिथि विकास

बस्नेत को सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, परम्परागत परिधानों का फैशन शो एवं फुटबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। वहीं अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ने 76वें स्वाधीनता दिवस समारोह आयोजन समिति को बधाई दी। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गयी कृषि प्रोत्साहन योजना ने ग्रामीण स्तर पर अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। इसके अलावा उन्होंने तीन वर्षों के अल्प कार्यकाल में एसकेएम सरकार द्वारा किये गये स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारात्मक कार्यों की जानकारी दी।





